22. वीरों का कैसा हो वसंत

स्वाध्याय

बार-बार कौन गरजता है ?

- बार-बार समुद्र गजरता है |

प्रकृति के तत्व क्या पूछ रहे है ?

- प्रकृति के तत्व पूछ रहे है की वीरों का वसन्त कैसा होना चाहिए |

वधू-वसुधा में क्या परिवर्तन आया ?

- वसुधारूपी- वधू का अंग-अंग पुलकित हुआ है |

कवि कुरुक्षेत्र से क्या कहते है ?

- कवि कुरुक्षेत्र से कहते है तुम जागकर देशवासियों को अपने अनन्त अनुभवो के बारे में बताओ |

कवि की कलम की क्या विवशता है ?

- कवि की कलम की यह विवशता है की वीरों का वसन्त कैसा हो,, यह कुछ खुलकर लिखने की उसे अनुमति नही है |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

‘वीरों का कैसा हो वसन्त?’ ऐसा कौन पूछ रहे है ?

- ‘वीरों का कैसा हो वसन्त?’ ऐसा हिमालय पर्वत, सागर, पूर्व-पश्चिम दिशाए पृथ्वी ओर आकाश तथा क्षितिज भी यह प्रश्न पूछ रहे है |

‘कह दे अतीत अब मौन त्याग’ ऐसा कवयितत्री ने क्यो कहा है ?

- देश के इतिहास में वीरता और पराक्रम दिखानेवाले अनेक शूरवीर हो गए है | इनसे हम अपनी स्वाधीनता और गौरव की रक्षा के लिए बलिदान देने का पाठ सीखते है | इसलिए कवयित्री ने ‘कह दे अतीत अब मौन त्याग’ ऐसा कहा है |

किन ऐतिहासिक घटनाओ के आधार पर कवयित्रि ने ‘वीरों का वसन्त’ बताया है ?

- हनुमान द्वारा लंका को जलाना, कुरुक्षेत्र में महाभारत युद्ध, हल्दी-घाटी में राणा प्रताप तथा सम्राट अकबर का युद्ध, तानाजी द्वारा सिंहगढ़ विजय ये हमारे इतिहास की बहुत प्रेरक घटनाए है | इन्ही के आधार पर कवयित्रि ने ‘वीरो का वसन्त कैसा हो’ यह बताया है |

वीरों का कैसा हो वसन्त’ ? इस पंक्ति को अपने शब्दो में कविता के आधार पर समझाइए |

- वसन्त ऋतु चारो तरफ बिखरे अपने पाकृतिक सौन्दर्य के कारण सबसे सुन्दर ऋतु मानी जाती है | सुंदर, सुगंधित और रंग-रंग के फूल, भौरों का गुंजन, रंग-बिरंगी उड़ती तितलिया और सुहावनी हवा इस ऋतु की विशेषताए है | परन्तु यह वीरो का वसन्त नही है | वीरो का वसन्त वह है, जिसमे स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए संघर्ष होता है | वीरो का वसन्त वह है, जिसमें अन्याय और अधर्म का नाश करने के लिए शूरवीर हँसते –हँसते अपना बलिदान देते है |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हल्दी-घाटी और सिंहगढ़ से कवयित्री का क्या तात्पर्य है ?

- मुगल सम्राट अकबर अनेक राजपूत राजाओ को अपने अधीन करना चाहता था, परन्तु सफल नही हुआ | महाराणा प्रताप अपनी स्वाधीनता गँवाने के लिए तैयार नही हुए | अंत में हल्दी-घाटी के मैदान में अकबर और राणा प्रताप की सेनाओ में भयंकर युद्ध हुआ | इसी प्रकार सिंहगढ़ भी मुसलमान शासक के अधीन था | उस पर अधिकार करने के लिए शिवाजी महाराज के वीर सरदार तानाजी ने उस पर आक्रमण किया | कड़ी टक्कर के बाद सिंहगढ़ हाथ में आ गया, पर अदभूत वीरता दिखाते हुए तानाजी मालसुरे शहीद हो गए |

- कवयित्रि कहना चाहती है की हल्दी-घाटी और सिंहगढ़ के संघर्ष बताते है की वीरों का वसन्त कैसा हिन चाहिए |

है कलम बँधी स्वच्छन्द नहीं' ससंदर्भ समझाइए।

- 'वीरों का कैसा हो वसन्त?' यह कविता तब लिखी ग थी जब देश पर अंग्रेजों का शासन था। अंग्रेजी सत्ता ने देश में दमनचक्र चला रखा था। उस समय अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध लिखना अपराध माना जाता था। ऐसा लिखनेवालों को कड़ी सजा दी जाती थी। उनके रचनाएं जप्त कर ली जाती थीं। उसी संदर्भ में कवयित्री लिखती हैं कि पर पाबंदी है। मैं चाहूँ तो भी कुछ खुलकर लिख नहीं सकती

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in